

‘राजस्थान मंडपम कला, संस्कृति, पर्यटन को बढ़ावा देगा’

मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने मंडपम के निर्माण को समय से पूरा करने के निर्देश दिये

जयपुर, 23 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथा सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए राजस्थान मंडपम प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त बनाया जाए तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जाए। उन्होंने मंडपम के निर्माण को समयावधि पूरा करने के निर्देश दिए।

सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मंडपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत मंडपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मंडपम का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एजीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान मंडपम के निर्माण की तैयारी बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथा सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए राजस्थान मंडपम प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

■ मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मंडपम में बनने वाले एजीबिशन हॉल, ओपन हॉल व ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखें।

तहत, स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनैनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। अधिकारियों को इस मॉल में सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यहां संसाधन विकसित किये जाएं। उन्होंने मंडपम में बनने वाले यूनैनिटी मॉल, पार्किंग, दुकानों एवं ऑडिटोरियम सहित पूरे मास्टर प्लान की समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग, अजिताभ शर्मा, रीको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, एनबीसीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक के पी महादेव स्वामी सहित, अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

लोक अदालत ने 40.62 लाख केस निपटाये

जयपुर, 23 दिसंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हाईकोर्ट सहित, प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में साल की अंतिम लोक अदालत आयोजित की गई। लोक अदालत में राजीनामे से 7.28 हजार लिंबत मामलों सहित, कुल 40.62 लाख प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही, 11.75 अरब रुपए से अधिक के अवाई भी पारित किए गए।

जयपुर पीठ में लोक अदालत का शुभारंभ हाईकोर्ट के जस्टिस व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस पंकज भंडारी ने किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत हर

■ हाईकोर्ट व अधिनस्थ अदालतों ने 11.75 लाख रुपये के अवाई भी पारित किये।

नागरिक के लिए न्याय प्राप्त करने का सुगम व सुलभ साधन है।

लोक अदालत एक ऐसी जगह है, जहां विवाद के समाधान की प्रक्रिया में पक्षकार खुद ही भाग लेता है और विवाद का समाधान ही खुद तय करते हैं। हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में लोक अदालत में पांच से दस साल पुराने मामलों व अन्य केसों सहित 726 मामलों का निस्तारण राजीनामे के जरिए हुआ।

इनमें पक्षकारों को 2.83 करोड़ रुपए के अवाई जारी किए गए।

रणथंभौर में टाइगर टी 2309 की मौत

आमा घाटी में मिले शव का पोस्टमार्टम कर विधिवत् अंतिम संस्कार किया गया

■ टाइगर टी 2309 की टेरिस्ट्री, आमा घाटी में एक और टाइगर, टी 120 गणेश भी विचरण करता था। संभवतः दोनों टाइगरों के बीच संघर्ष में टी 2309 की मौत हुई। पोस्टमार्टम में टेरिस्टोरियल फाइंड के घाव के निशान मिले।

अनूप के आर ने बताया कि रणथंभौर के आमा घाटी वन क्षेत्र में विचरण करने वाले टाइगर टी 2309 की टेरिस्ट्री में दूसरा टाइगर टी 120 गणेश भी विचरण करता है। संभवतया टी 120 गणेश के साथ संघर्ष में ही टाइगर टी 2309 की मौत हुई है।

वनाधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को गश्त के दौरान, वनकर्मियों को रणथंभौर के आमा घाटी वन क्षेत्र में टाइगर टी 2309 का शव पड़ा हुआ मिला था, वनकर्मियों ने इसकी सूचना वनाधिकारियों की दी, जिसके बाद रणथंभौर के डीएफओ

रामानंद भाकर सहित, अन्य वनाधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर राजबाग नाका चौकी ले गए।

वन अधिकारियों ने बताया कि टाइगर टी 2309, रणथंभौर की बाघिन टी 105 नूरी को संतान है। मृत टाइगर की उम्र करीब साढ़े तीन साल है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि टेरिस्टोरियल फाइंड में युवा टाइगर की इस तरह से मौत होना बेहद दुःख है, इससे वन विभाग द्वारा की जा रही बाधों की टैकिंग एंव मॉनिटरिंग पर कई तरह के सवाल खड़े होते हैं।

अडानी ग्रुप ने...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष)

उन्होंने कहा, यह अग्रिमण हमारी इस सोच से जुड़ा है।

एक इंटीग्रेटेड एविएशन सर्विस इकोसिस्टम बनाया जाए, जो भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को और सुदृढ़ करेगा। हमारा लक्ष्य भारत के आसमान के भविष्य को आकार देना है।

पिता के हत्यारे ...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष)

के घर पहुंचें। वहां पहुंचने पर उसने देखा कि गोवर्धन घर के बाहर दीवार के पास चित्त अवस्था में पड़े हैं। ऐसे में उसे कुछ हुआ कि उसके चाचा की कन्हैयालाल या किसी अन्य ने हत्या कर दी है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि गोवर्धन शराब पीने का आदी था और अभियुक्त भी गांजे का नशा करता था। ऐसे में घटना के दिन दोनों में किसी बात पर झगड़ा हो गया और अभियुक्त ने कुल्हाड़ी से पिता गोवर्धन के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

बाँग्लादेश ने भारत से लिखित...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष)

शामिल है और सरकार के विरोध को दबाने के लिए सेना के दुरुपयोग का भी उन पर आरोप लगाया है। हिरासत में हुई कई मौतों के लिए हसीना को आरोपी बताया गया है।

बाँग्लादेश की सरकार वैध संवैधानिक प्रक्रिया से निर्वाचित नहीं है, इसलिए भारत सरकार इसके डिप्लोमैटिक नोट की अनदेखी कर सकती है।

हसीना के प्रत्यार्पण पर भारत से सीधे टकराने की बजाय बाँग्लादेश अन्य मांग कर रहा है, जिनसे भारत को परेशानी हो सकती है। अभी तक सीमा पर आतंक से निपटने में बाँग्लादेश ने भारत का सहयोग किया था।

लेकिन अब बाँग्लादेश ने भारत विरोधी गतिविधियों के कारण जेल में बंद आतंकियों को छोड़ दिया है तथा जो आतंकी भारत को धमकियां देते हैं, उन्हें भी शरण दी जा रही है।

बाँग्लादेश, पाकिस्तानी संगठनों

■ बीजिंग व पाकिस्तान से अफसरों व नेताओं का आवागमन बढ़ा है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है।

■ पर, क्या एक “फेल देश” एक दूसरे देश की मदद कर सकता है, जो “फेल” होने के कगार पर है।

को देश में अपनी गतिविधियों पुनः शुरू करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। सरकारी अधिकारियों व एजेंटों ने व्यापारियों को भारत से आयात रोकने के निर्देश दिए और कहा है कि पाकिस्तान तथा इस्लामिक देशों से सामान मंगावें।

पाकिस्तानी जहाज, पाकिस्तान

बंदरगाह पहुँच रहे हैं। बीजिंग और पाकिस्तान से बढ़ती आवाजाही भारत के लिए चिंता का सबब है, क्योंकि इससे हथियार लाए जा रहे हैं। बाँग्लादेश ने चीन और पाकिस्तान से मदद मांगी है।

भारत को इस सब का प्रभावी जवाब देना होगा, क्योंकि उपमहाद्वीप में बाँग्लादेश की स्थिति सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत को बचाव के उपाय करने होंगे।

बाँग्लादेश के मुख्य सलाहकार युनुस ने हाल ही में मित्र की राजधानी काठमांडू में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की और उसके बाद से कई जहाज चटगाँव बंदरगाह आए हैं।

घायल सांसदों को अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती लोकसभा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को छुट्टी दे दी गयी है। संसद परिसर में बोते गुरवार को धक्का मुक्की में घायल होने के बाद, इन दोनों सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल ने सोमवार को यहां बताया कि दोनों सांसदों को छुट्टी दे दी गई है। दोनों सांसदों को धक्का मुक्की में घायल होने के बाद गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। सारंगी की आंख के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जबकि राजपूत ने सिर में भारीपन और चक्कर आने की शिकायत की थी।

दोनों सांसदों की एमआरआई जांच कराई गई और उन्हें नियमित निगरानी में रखा गया। दोनों सांसदों को 19 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

‘परभनी हिंसा का पीड़ित ...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष)

गये तथा पीटे गये लोगों के परिवारों से मिले हैं तथा उन्होंने पोस्ट-मार्टम रिपोर्ट, वीडियोज तथा फोटोग्राफ देखे हैं। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि सूर्यवंशी की मृत्यु “शत-प्रतिशत रूप से, पुलिस कस्टडी में हुई मौत है।”

परभनी में हिंसा की शुरुआत उस समय हुई, जब 10 दिसम्बर को शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की मूर्ति के पास रखी सीधे में बन्द संविधान की प्रतिकृति की क्षति पहुँचाई गई।

परभनी के शंकर नगर निवासी सोमनाथ सूर्यवंशी को हिंसा के संदर्भ में गिरफ्तार किया गया था तथा न्यायिक अभिरक्षा के दौरान, 15 दिसम्बर को उसकी मृत्यु हो गई। उस समय उसने सीने में दर्द की शिकायत की थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि

■ राहुल गांधी ने कहा कि हमने पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वीडियो व फोटो देखे हैं, सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत “कस्टोडियल डैथ” है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस को संदेश देने के लिये, विधानसभा में झूठ बोला था। राज्य शासनाध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने राहुल गांधी की आलोचना करते हुये, उनके दौरे को एक “ड्रामा” बताया। उन्होंने गांधी से कहा कि “फोकस इस विन्दु पर होना चाहिये कि रचनात्मक साधनों के जरिये, समाज को कैसे लाभान्वित किया जाये।”

पीलीभीत में तीन खालिस्तानी आतंकी मारे गए

यू.पी. और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीमों ने यह ऑपरेशन किया

■ इन प्रभों में हापुड़, बुलन्दशहर, रामपुर व अमरोहा से देर रात लोगों के आने का जिक्र है।

रही है। पुलिस ने 200 लोगों की कॉल डिटेल्स निकाली है। सभी की हिंसा वाले दिन को मुवमेट की जांच कर रही है।

बता दें कि संभल में पिछले महीने सदियों पुरानी मस्जिद को लेकर हुई हिंसक झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। 16वीं शताब्दी में बनी शाही जामा मस्जिद के न्यायालय की निगरानी में किए जा रहे सर्वेक्षण के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई थी। देखते ही देखते, संभल में हिंसा भड़क गई थी। पुलिस अधिकारियों ने हिंसा के संबंध में कई मामले दर्ज किए थे। क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। साथ ही, स्कूलों को भी बंद कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मस्जिद के आसपास चप्पलें, ईंटें और पत्थर बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे।

पीलीभीत, 23 दिसंबर। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में यूपी और पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। यूपी और पंजाब पुलिस ने मुठभेड़

में तीन खालिस्तानी आतंकियों को मार गिराया है। तीनों आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स आतंकी संगठन के थे। मौके से दो एके-47 और दो पिस्टल बरामद की गई हैं। तीनों आतंकियों ने गुरदासपुर चौकी पर ग्रेनेड फेंका था।

पूरनपुर क्षेत्र में पंजाब और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। पूरनपुर क्षेत्र में हरदोई ब्रांच नहर के करीब सोमवार सुबह करीब पांच बजे मुठभेड़ हुई। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं।

पीलीभीत एस.पी. अविनाश पांडेय ने बताया कि सोमवार सुबह थाना पूरनपुर पहुँची पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम ने सूचना दी कि कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी

आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था और उनके पूरनपुर क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत पूरे जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई।

इसी बीच, खमरिया पाँडेय पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सूचना दी कि एक बाइक पर तीन संदिग्ध नजर आए हैं। उनके पास कुछ संदिग्ध वस्तुएं हैं और ये लोग बाइक से पीलीभीत की तरफ गए हैं। पंजाब पुलिस और पूरनपुर पुलिस ने उनका पीछा किया, आगे के स्थानों को अलट किया गया।

एस.पी. अविनाश पांडेय ने बताया कि पूरनपुर और पीलीभीत के बीच निर्माणाधीन पुल पर इन लोगों को पुलिस

ने घेरा तो ये लोग एक पटरी की तरफ मुड़ गए। इसके बाद उन्हें रुकने के लिए कहा गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी

■ पुलिस ने बताया कि आतंकियों से दो ए.के. 47 रायफल, दो पिस्टल भी बरामद हुईं। तीनों आतंकी खलिस्तान जिंदाबाद फोर्स (आतंकी संगठन) से संबंधित थे।

■ पुलिस ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी गुरदासपुर (पंजाब) से हैं और इन पर गुरदासपुर चौकी पर ग्रेनेड फेंकने का आरोप है।

■ पुलिस को उत्तर प्रदेश में पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में आतंकी छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी कर तीनों को घेर लिया।

■ धिरने पर तीनों आतंकियों ने गोलाया चलाई तो पुलिस ने जवाबी फायर किया, जिसमें तीनों की मौत हो गई।

कार्रवाई में तीनों आतंकियों को गोलीयाँ लगीं। हॉस्पिटल में उनकी मौत हो गई। पंजाब पुलिस ने बताया कि इन आतंकियों का विदेशी कनेक्शन है।

आरोपियों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। यह पूरनपुर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। आतंकियों की फायरिंग में दो पुलिस

कांग्रेस से गठबंधन तोड़ना चाहते हैं उद्धव ठाकरे के कुछ समर्थक

■ इन नेताओं का मानना है कि कांग्रेस से गठबंधन के कारण चुनाव में पार्टी को नुकसान पहुँचा।

■ यह गुट कह रहा है कि कांग्रेस के साथ के कारण उनके हिन्दुत्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वे बी.एम.सी. के चुनाव अकेले लड़ना चाहते हैं।

का कहना है कि कांग्रेस से गठबंधन की वजह से नुकसान हो रहा है, कांग्रेस के वजह से हमारे हिंदुत्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह धड़ा आगामी बीएमसी चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने के लिए ठाकरे पर दबाव बना रहा है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता

सुभाष देसाई ने इस मुद्दे पर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा, “हमारे कार्यकर्ताओं का एक वर्ग चाहता है कि पार्टी बीएमसी चुनाव अकेले लड़े। इनको लगता है कि नुकसान हुआ। असेसमेंट चल रहा है लेकिन लोकसभा चुनाव में हमें गठबंधन के

हाल ही में शिवसेना यूबीटी के सीनियर नेता संजय राउत ने भी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए थे। राउत ने कहा था कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ा जाए। संजय राउत ने कहा था कि मुंबई में हमारी ताकत है। मुंबई में हमें जगजोत चाहिए ये कार्यकर्ताओं की इच्छा है।

इसके अलावा, फिटेनस और परमिट की अवधि बीतेने के बाद भी ऐसे वाहनों का सार्वजनिक मार्गों पर चलना यह दर्शाता है कि परिवहन और यातायात विभाग अपने विधिक दायित्वों की पालना नहीं कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस तदा इंडिया ब्लॉक के अन्य राजनैतिक दल सरकार की आलोचना करते हुये कहते आ रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी के मुद्दे को समाधान में कथित रूप से असफल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर जबरदस्त हमला बोला था तथा बेरोजगारी को इस सरकार के शासनकाल का सबसे बड़ा अभिशाप बताया था।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब

काँस्टेबल भी घायल हुए हैं।

एनकाउंटर करने वाली टीम के एक अफसर ने बताया कि आतंकियों के पास एके-47 राइफल थी। पंजाब पुलिस को पहले से अनुमान था कि आतंकियों के पास बड़े हथियार हैं। इसलिए पीलीभीत पुलिस के एस.पी. अविनाश पांडे ने लॉन्ग रेज हथियारों के साथ जवानों को साथ लिया। पुलिस और आतंकियों के बीच करीब आधे घंटे में 100 से ज्यादा राउंड फायर हुए। ज्यादातर फायरिंग आतंकियों ने की।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब

साम में कामयाबी मिली थी। इस बारे में उद्धव ठाकरे अंतिम फैसला लेंगे।

हाल ही में शिवसेना यूबीटी के सीनियर नेता संजय राउत ने भी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए थे। राउत ने कहा था कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ा जाए। संजय राउत ने कहा था कि मुंबई में हमारी ताकत है। मुंबई में हमें जगजोत चाहिए ये कार्यकर्ताओं की इच्छा है।

इसके अलावा, फिटेनस और परमिट की अवधि बीतेने के बाद भी ऐसे वाहनों का सार्वजनिक मार्गों पर चलना यह दर्शाता है कि परिवहन और यातायात विभाग अपने विधिक दायित्वों की पालना नहीं कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस तदा इंडिया ब्लॉक के अन्य राजनैतिक दल सरकार की आलोचना करते हुये कहते आ रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी के मुद्दे को समाधान में कथित रूप से असफल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर जबरदस्त हमला बोला था तथा बेरोजगारी को इस सरकार के शासनकाल का सबसे बड़ा अभिशाप बताया था।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब

काँस्टेबल भी घायल हुए हैं।

एनकाउंटर करने वाली टीम के एक अफसर ने बताया कि आतंकियों के पास एके-47 राइफल थी। पंजाब पुलिस को पहले से अनुमान था कि आतंकियों के पास बड़े हथियार हैं। इसलिए पीलीभीत पुलिस के एस.पी. अविनाश पांडे ने लॉन्ग रेज हथियारों के साथ जवानों को साथ लिया। पुलिस और आतंकियों के बीच करीब आधे घंटे में 100 से ज्यादा राउंड फायर हुए। ज्यादातर फायरिंग आतंकियों ने की।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब

प्र.मंत्री ने वीडियो ...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष) उन्होंने कहा कि फॉर्म भरने के बाद, अगर सरकारी तंत्र की असफलता के कारण पेपर लीक हो जाते हैं या प्रश्नपत्र चोरी हो जाते हैं तो युवाओं का यह पैसा बर्बाद हो जाता है।

प्रियंका ने कहा कि माता-पिता तो अपना जीवन समर्पित कर देते हैं तथा अपने बच्चों की पढ़ाई तथा परीक्षाओं की तैयारी पर खर्च के लिये एक-एक पैसा बचाते हैं, “लेकिन आज सरकार ने उनके सपनों को आय के स्त्रोत के रूप में बतल दिया है।”

कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट के साथ, सरकारी नौकरी का एक विज्ञापन भी शेयर किया है, जिसमें एस.सी./एस.टी. सहित, विभिन्न श्रेणियों के उम्मीदवारों को 18 प्रतिशत जी.एस.टी. वसूला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस तदा इंडिया ब्लॉक के अन्य राजनैतिक दल सरकार की आलोचना करते हुये कहते आ रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी के मुद्दे को समाधान में कथित रूप से असफल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर जबरदस्त हमला बोला था तथा बेरोजगारी को इस सरकार के शासनकाल का सबसे बड़ा अभिशाप बताया था।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब

काँस्टेबल भी घायल हुए हैं।

एनकाउंटर करने वाली टीम के एक अफसर ने बताया कि आतंकियों के पास एके-47 राइफल थी। पंजाब पुलिस को पहले से अनुमान था कि आतंकियों के पास बड़े हथियार हैं। इसलिए पीलीभीत पुलिस के एस.पी. अविनाश पांडे ने लॉन्ग रेज हथियारों के साथ जवानों को साथ लिया। पुलिस और आतंकियों के बीच करीब आधे घंटे में 100 से ज्यादा राउंड फायर हुए। ज्यादातर फायरिंग आतंकियों ने की।

जगजीत सिंह के ही इशारों पर थाने पर हमला किया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रवि ग्रीस में बैठे आतंकी जसविंदर सिंह मन्नू का करीबी है, क्योंकि दोनों एक गांव के रहने वाले हैं। इसी वजह से रवि को थाने में हुए ग्रेनेड अटैक में माँहूल बिगाड़ने की फिराक में था। तीनों आतंकियों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इनका मुखिया वरिंदर सिंह उर्फ रवि अपने सरगना के साथ टच में था। इस माँहूलू को खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (के.जे.ड.एफ.) के सदस्य थे। इसका सरगना रणजीत सिंह नीटा पाकिस्तान में है। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करता है। आई.एस.आई. के इशारों पर वह पंजाब